माड्यूल - 13

संगठनात्मक कारगरता की ओर

(Towards Organiastional Effectiveness)

(हिन्दी रुपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरोली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् मूलसम्पदा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन में
दूरवर्ती शिक्षा

माड्यूल - 13

संगठनात्मक कारगरता की ओर
(Towards Organiastional Effectiveness)

(हिन्दी रुपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरोली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् मूलसम्पदा

आमुख

मुझे इस संशोधित माड्यूल को प्रस्तूत करते हुए हर्ष हो रहा है। यह अधिक संगत, व्या वहारिक, प्रयोक्ता अनुकूल है और स्वास्थ्य व्यावसायियों को स्वास्थ्य की देखभाल के बारे में जानकारी हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए शिक्षा प्रबंधन की आवश्यकता सदा से महसूस की जाती रही है अतः राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान वर्ष 1977 में अपनी स्थापना से ही स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए ऐसे प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के आयोजन से जुड़ा हुआ है। तथापि प्रशिक्षित किए जाने वाले व्यक्तियों की बहुत बड़ी संख्या होने की वजह से उन्हें कुछ सप्ताह के लिए एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू में ला पाना संभव नहीं था। इसे ध्यान में रखते हुए एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू ने देश में प्रमुख प्रबन्धन संस्थानों के साथ एक ष्राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रबंधन संघ ष की स्थापना की ओर इस महान निकाय ने डाक्टरों के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण प्रबंधन में दूरवर्ती अध्ययन पाठ्यक्रम चलाने पर विचार किया। वित्तीय सहायता विश्व स्वास्थ्य संगठन से मिली और इसका पहला बैच 1991 से शुरु हुआ।

यहां इन माड्यूलों को तैयार करने में किए गए दुष्कर प्रयासों का वर्णन करना संगत होगा। अध्ययन सामग्री तैयार करने के लिए कोर ग्रुपों और विशेषज्ञ ग्रुपों की कई चरणों में अनेक पुनरीक्षा बैठकें और कार्यशालाएं आयोजित की गई। अध्ययन सामग्री को आवश्यकता-आधारित और वास्तविक बनाने के प्रयास में इसे सर्वप्रथम जिला स्वास्थ्य प्रबन्धकों के ग्रुप पर परखा गया और बेहतर ढंग से समझाने के लिए समुचित भाषा में लिखा गया। तब से लेकर इस पाठ्यक्रम के 11 वर्ष बीत चुके हैं और इन माड्यूलों की उपयोगिता के संबंध में भागीदारों से हमें बहुमूल्य उपयोगी सामग्री प्राप्त हुई है। वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में इन माड्यूलों को अधिक उपयोगी बनाने संबंधी उनके सुझा वों से हमें इन्हें समय-समय पर संशोधित करने के लिए प्रेरणा मिली है ताकि ये और अधिक उपयोगी बन सकें।

इन माड्यूलों के विकास में जो कोर ग्रुप प्रारम्भ से शामिल था उसमें एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू, नई दिल्ली के प्रो.जे.पी.गुप्ता और श्री डी.एच.नाथ, आई.आई.एम.बंगलौर के प्रो.ए.बी.षणमुगम, आई.आई.एम., कलकत्ता के प्रो.मधु एस. मिश्रा, आई.आई.एम.अहमदाबाद के प्र ो.जे.के.सेतिया, आई.आई.एम.लखनऊ के प्रो.एस.चक्रवर्ती और राजस्थान लोक प्रशासन संस्थान, जयपुर के प्रो.वी.के.अरोड़ा थे।

इस कोर ग्रुप की सहायता, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के प्र ो.टी.आर.आनन्द और डा.जे.के.दास द्वारा कर गई।

माड्यूलों के 1995 में प्रथम संसोधन के लिए कोर ग्रुप में, आई.आई.एम.कलकत्ता के प्रो.मधु एस. मिश्रा, आई.आई.एम.लखनऊ के प्रो.एस.चक्रवर्ती, प्रबंधन विकास संस्थान, मैसूर के एस.डी.एम.,प्रो.ए.बी.षणमुगम, जयपुर के प्रो.वी.के.अरोड़ा और राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान की टीम जिसमें प्रो.एच.हेलन, निदेशक, प्रो.आई.मुरली, डीन, प्रो.जे.आर.भाटिया, परामर्शदाता तथा डा.संजय गुप्ता, समन्वयक, शामिल थे।

अंतिम संशोधन 2002 में किया गया। उसके कोर ग्रुप में, राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के निम्नलिखित संकाय सदस्य शामिल थे, डा.एम.सी.कपिलाश्रमी, निदेशक; प्रो.एन.के.सेठी, डीन; प्रो.(श्रीमती) एम.भट्टाचार्य, सी.एच.ए. के विभागाध्यक्ष; प्रो.ए.के.सूद, शिक्षा और प्रशिक्षण के विभागाध्यक्ष, डा.जे.के.दास, रीडर और एम.सी.एच.ए.के विभागाध्यक्ष तथा डा.संजय गुप्ता, समन्वयक शामिल थे।

कोर ग्रुप, वर्ष 2002 में माड्यूल के संशोधन का कार्य हाथ में लेने के लिए श्री डी.एच.नाथ का आभारी है।

यदि यह माड्यूल अध्ययनकर्त्ताओं के लिए अपने संगठनों के कारगर प्रबंधन हेतु और उन्हें बेहतर समझने, धारणाओं के स्पष्टीकरण और विश्वास निर्मित करने में सहायक हो सकेगा तो कोर ग्रुप को अत्यधिक प्रसन्नता होगी।

एम.सी.कपिलाश्रमी
निदेशक

सितम्बर, 2002
राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार
कल्याण संस्थान,
नई दिल्ली।

विषय-वस्तु

क्रम सं.	वर्णन	पृष्ठ सं.
माड्यूल 13	**संगठनात्मक कारगरता की ओर**	**1**
13.1	परिचय	1
13.2	उद्देश्य	2
13.3	यूनिट	2
यूनिट 13.1	**अभ्यास के लिए परिचय**	**3**
13.1.1	उद्देश्य	3
13.1.2	महत्वपूर्ण विषय और अवधारणाएं	3
13.1.3	परिचय	3
13.1.4	संगठन का चयन	4
13.1.5	डाटा संग्रहण	5
13.1.6	सूचना के महत्वपूर्ण क्षेत्र	7
13.1.7	सूचना के स्रोत	8
13.1.8	डाटा संग्रहण के साधन	10
13.1.9	कालावधि	10
यूनिट 13.2	**निदान के लिए ढांचा**	**12**
13.2.1	उद्देश्य	12
13.2.2	महत्वपूर्ण विषय और अवधारणाएं	12
13.2.3	परिचय	12
13.2.4	संगठनात्मक कारगरता	12
युनिट 13.3	**जिला स्वास्थ्य प्रणाली का निदान**	**16**
13.3.1	उद्देश्य	16
13.3.2	महत्वपूर्ण विषय और अवधारणाएं	16
13.3.3	परिचय	16
13.3.4	अपनाने वाली हिदायतों का सेट	16
13.3.5	निदान उपकरण	17
13.3.6	सहायता प्रणाली	32
13.3.7	आयोजन, प्रबोधन और मूल्यांकन प्रक्रियाएं	43

13.3.8	स्वास्थ्य संगठन का 'स्वोर' मूल्यांकन	49
13.3.9	अध्ययन के लिए स्वास्थ्य कार्यक्रम की पहचान करना	50
यूनिट 13.4	**समस्याओं को पहचानना और प्राथमिकता प्रदान करना**	**53**
13.4.1	उद्देश्य	53
13.4.2	महत्वपूर्ण विषय और अवधारणाएं	53
13.4.3	परिचय	53
13.4.4	समस्याओं को पहचानना और उनका स्वरुप निर्धारण	53
13.4.5	समस्याओं का वर्गीकरण और प्राथमिकता	55
यूनिट 13.5	**कार्य योजना तैयार करना**	**57**
13.5.1	उद्देश्य	57
13.5.2	महत्वपूर्ण विषय और अवधारणाएं	57
13.5.3	परिचय	57
13.5.4	कार्य-शीट	57
13.5.5	युक्ति युक्त विकल्प	59
13.5.6	चुनी हुई युक्ति और कार्यान्वयन योजना	59
यूनिट 13.6	**कार्य-योजना के प्रबन्धन से इतर**	**61**
13.6.1	उद्देश्य	61
13.6.2	महत्वपूर्ण विषय और अवधारणाएं	61
13.6.3	परिचय	61
13.6.4	कार्य-योजना का मूल्यांकन और कार्यान्वयन पर अनुवर्ती कार्रवाई	61
यूनिट 13.7	**प्रोजेक्ट रिपोर्ट**	**63**
13.7.1	उद्देश्य	63
13.7.2	परिचय	63
13.7.3	प्रोजेक्ट रिपोर्ट	63